

# जल है तो कल है



प्राकाशन व वितरण



# साबुन का पानी

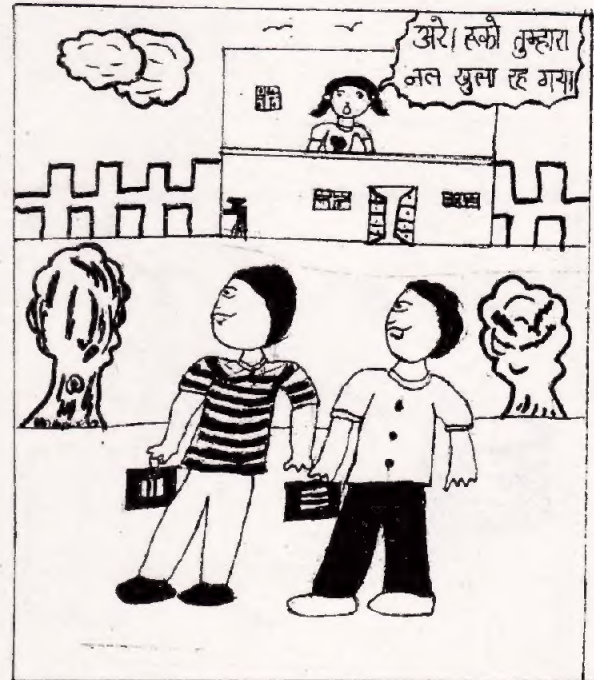


लेखन:- बर्ट ऑगिस्ट रॉस  
उवाह जमुपुर पहल  
भाद्री चिन्मा मन्दिर दोसा

प्रतिका खण्डेलवा  
जल निर्दरी सं  
दोसा।



# अपनी सूझबूझ से



स्रोतस्थ :- वर्ल्ड मोनिक्ल इंडिया  
प्रवाह जयपुर पहेल  
आदर्श विद्या मन्दिर दोसा

आयुषी शर्मा  
जल निर्वरी सं  
दोसा।



# जल है तो कल है।



लेखक :- वर्ड क्रिएटिव इंडिया  
 उवाह जयपुर पट्ट  
 मोहरी विद्या मन्दिर दोष

मोसिका अग्रवाल  
 जल निक्षेपी संस्था, वैसा



# बरसात का पानी



सौजन्य :- वर्ल्ड कमिक्स इंडिया  
प्रवाह जयपुर पब्ल  
आदर्श बिद्या मन्दिर दोसा

नाम -> अनुष्का शर्मा  
बाल निर्झरी संस्था  
दोसा।



# आज से पौधा



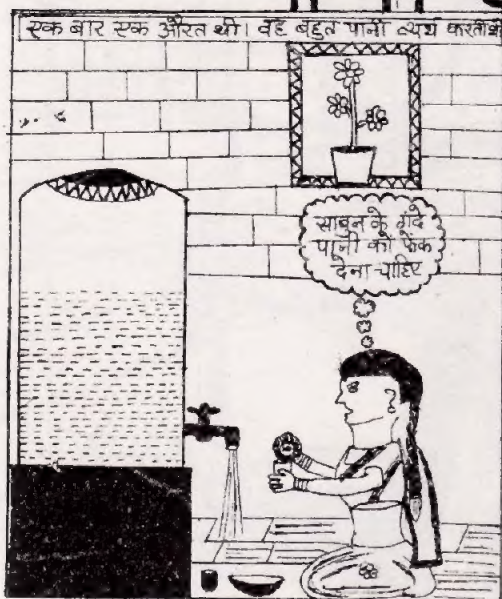
लेखक: - बरत जोषि  
 जवाह नरपुर परल  
 भारती विद्या मन्दिर दोसा

पूजा जोशी  
 जल निस्सरी संस्था  
 दोसा।





# पानी खत्म

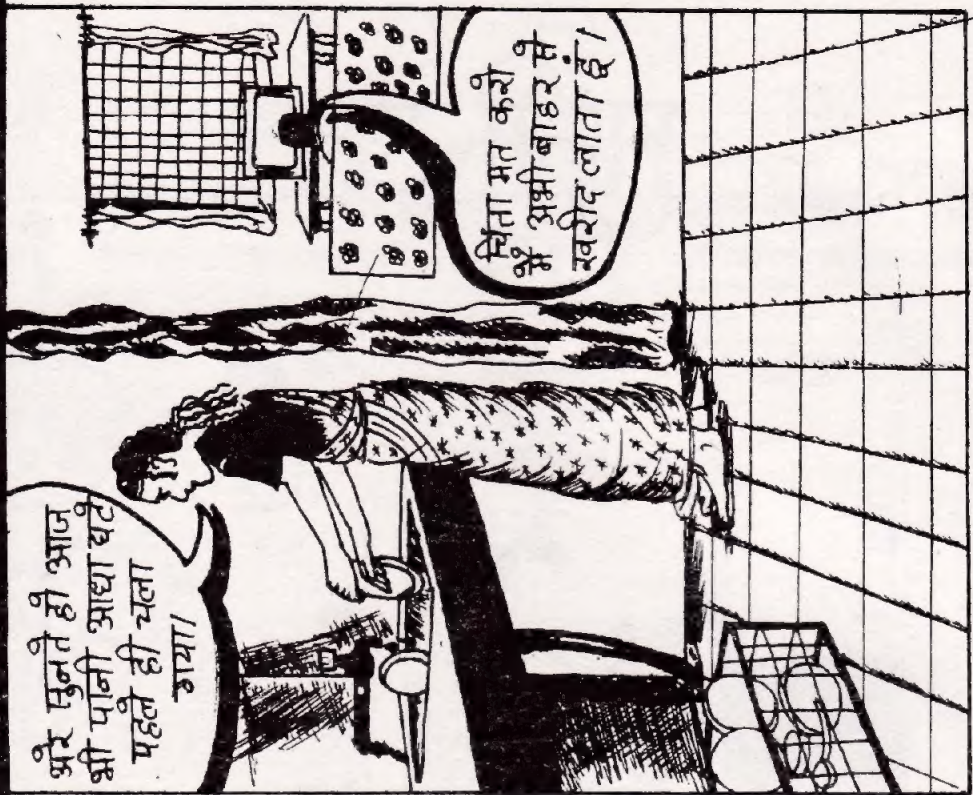
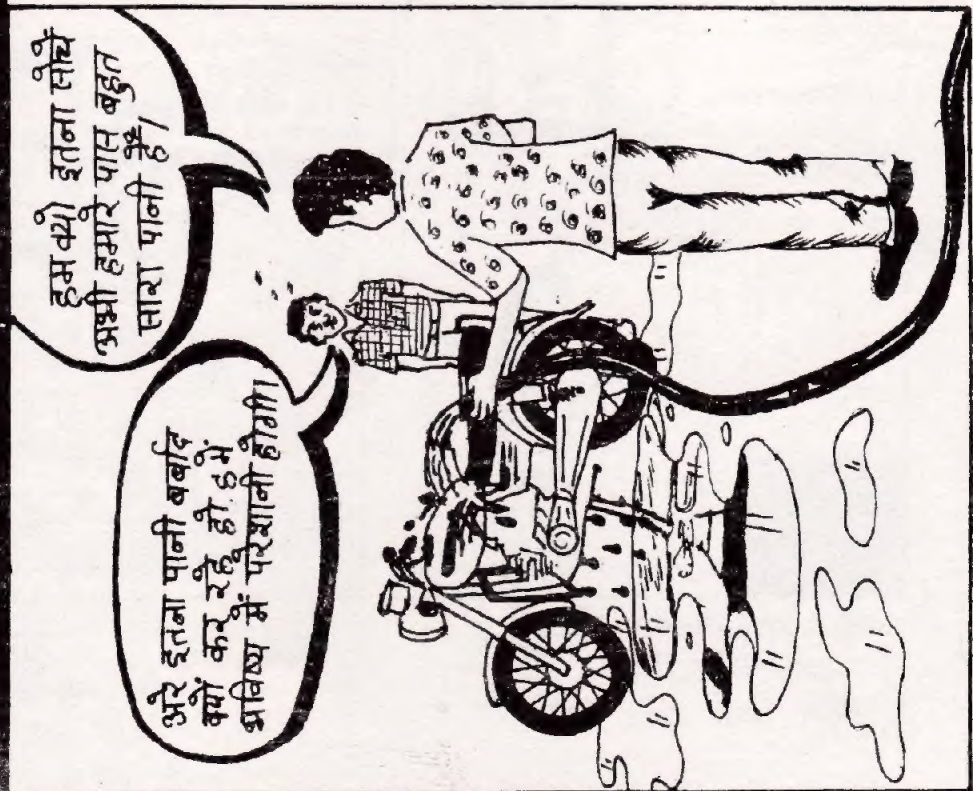


संलग्न :- वरुण जगन्निवास अग्रवाल  
प्रवाह जगन्निवास पहल  
आदर्श विद्या मन्दिर दोसा

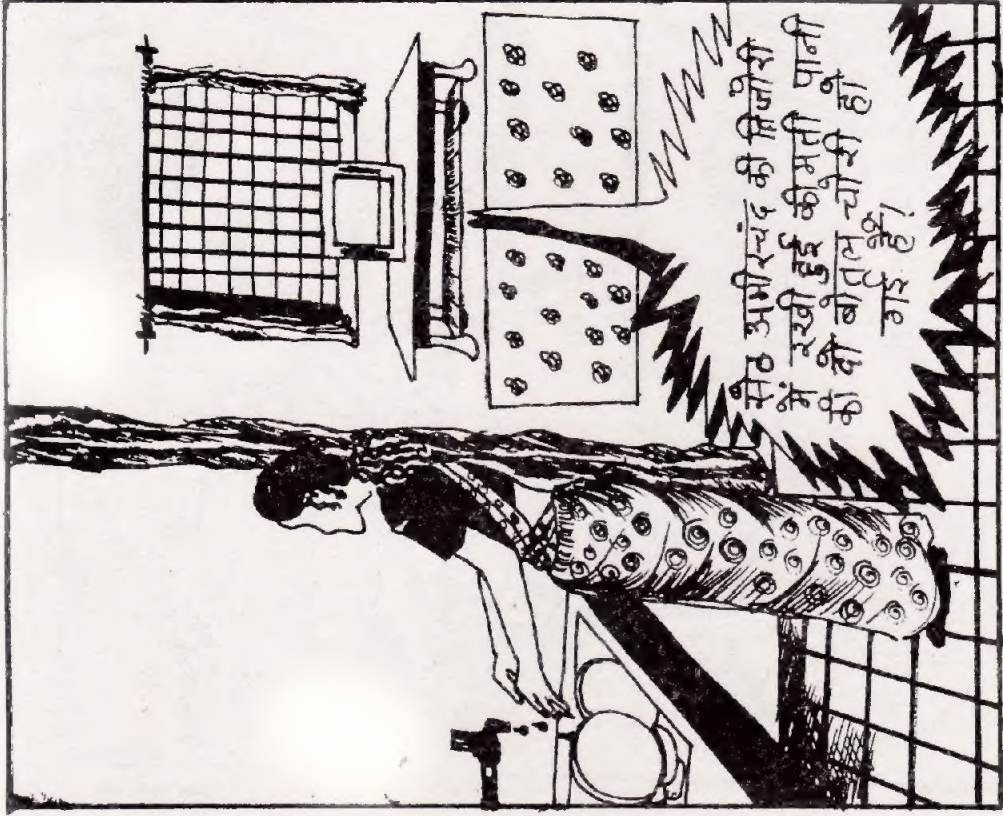
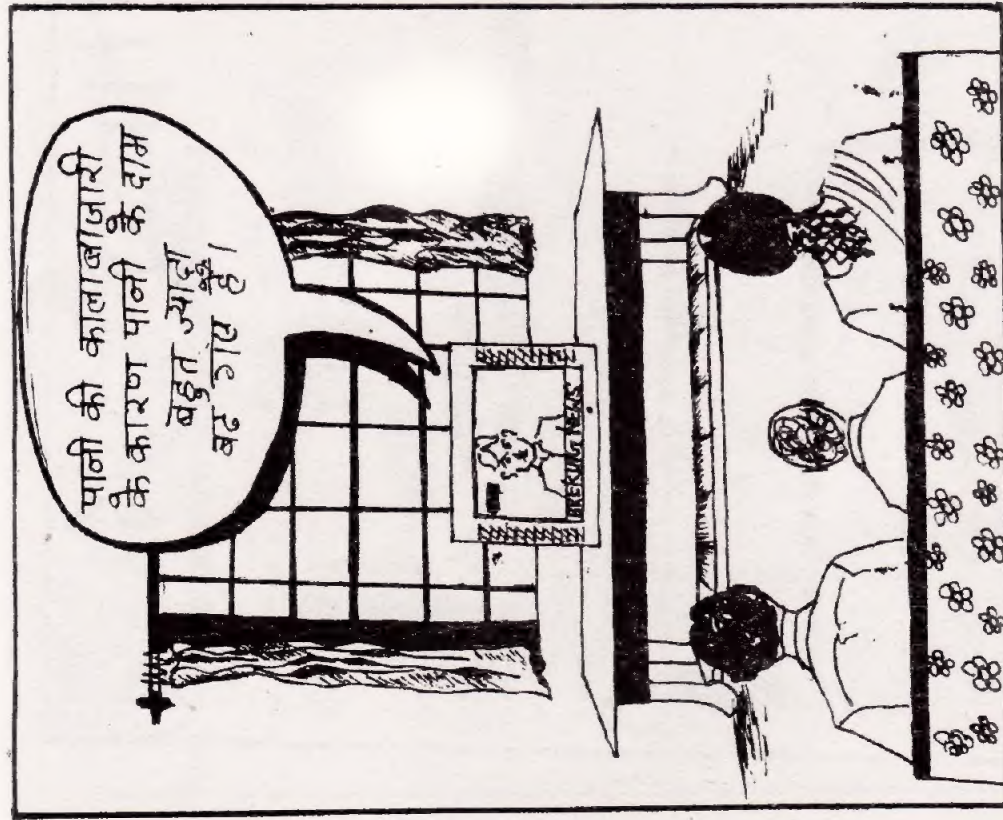
कनिका शर्मा  
जल निस्सरो संस्था  
दोसा



# मन्त्राओ



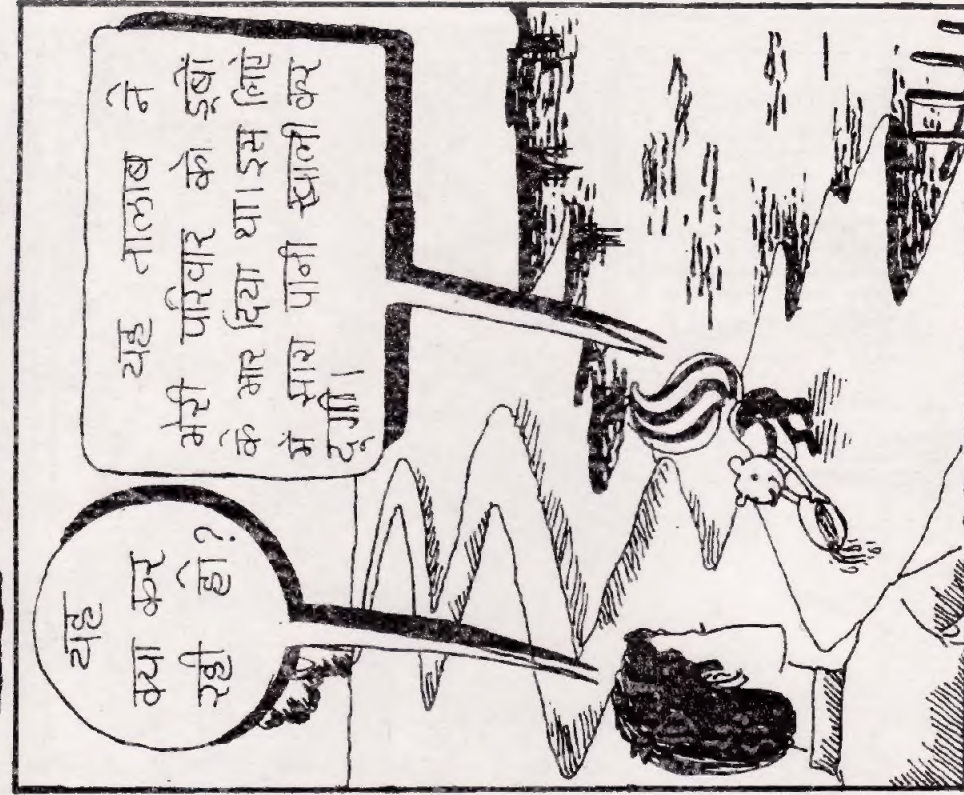
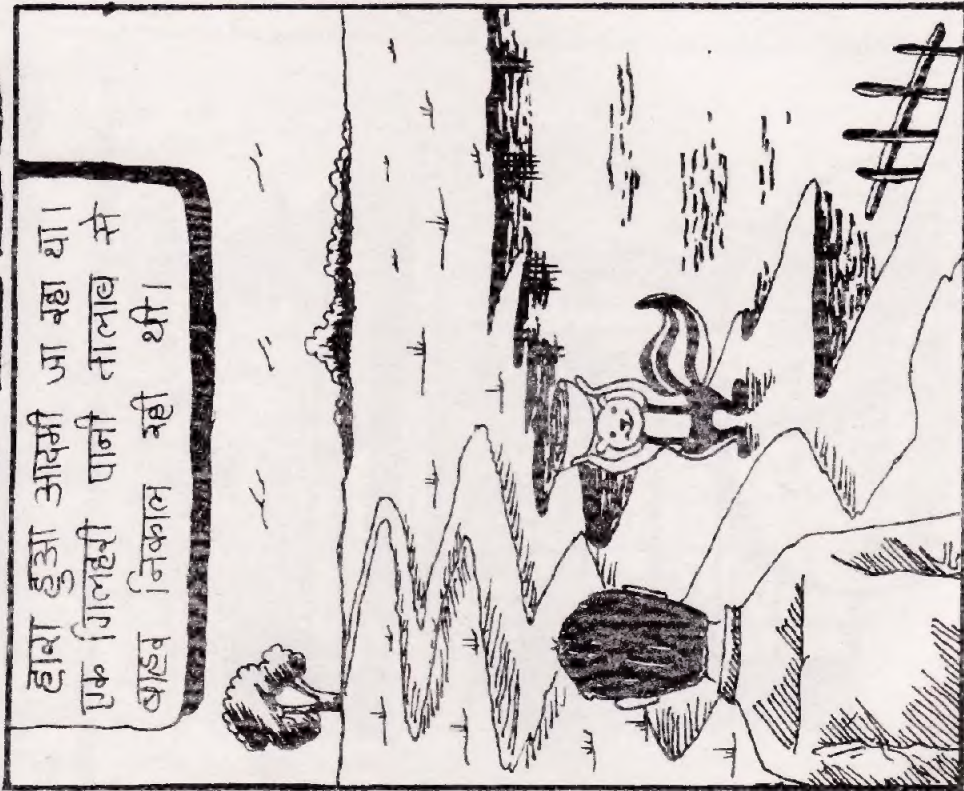




ABHISHEK PAREEK  
JAIPUR (RAJASTHAN)



# पानी का महत्व

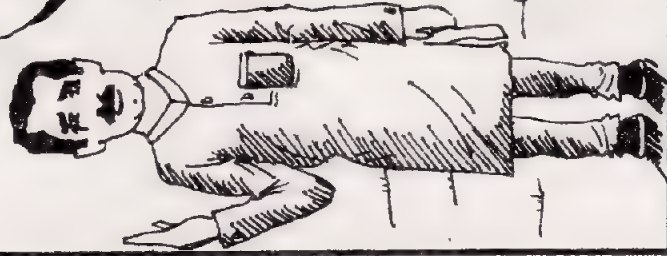




आदमी उचार देता है।

यह तुम्हारी बस की  
बात नहीं है। तालाब  
बहोत बड़ा है।

मुझे पता है, लेकिन  
कभी ना कभी तो तालाब  
खाली होगा।



यह आदमी असकी हिंमत की  
दाद देता है और वापस अपने  
काम में जुट जाता है।



- DHAVAL

Gujarat.



# ठंडे-ठंडे पानी से....





# पानी शंका

सुरवे कि मार में गांव छोड़कर जाने लोग



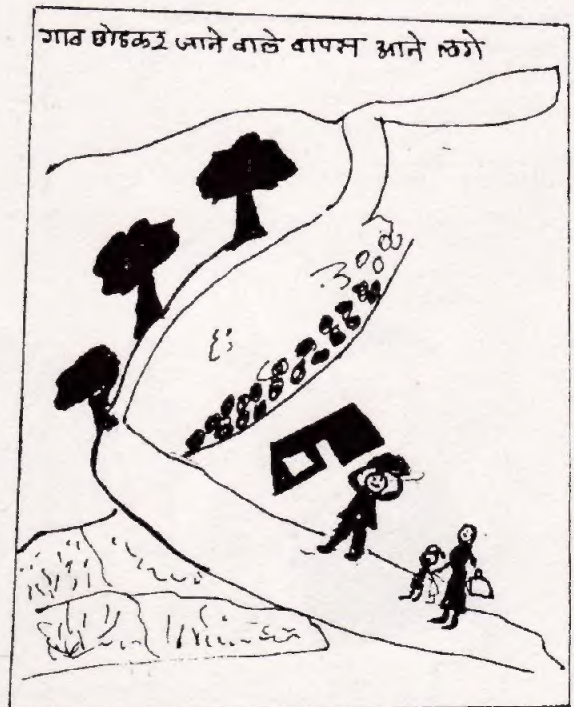
कुछ लोगो ने पानी गैकने का काम शिराया



गांव के लोग मिठकुर अमदान में काम किया



गांव छोड़कर जाने वाले वापस आने लगे



महेश केवट | जि-खरगोन न महेसर  
मण्डले २५८



# येसा क्यों





## पलायन

एक बार झारखण्ड में सुखा पड़ गया  
और ऐसे में एक बूढ़ा आदमी सोच  
में पड़ गया।



तुम लोग जल्दी-जल्दी काम  
करो नहीं तो पैसा नहीं दूंगा।



और वापस घर लौट कर आता  
है तब ---



मैं अब कभी भी बाहर कमाने  
नहीं जाऊँगा अपना गाँव ही सही है।  
और तुम लोग भी मत जानो वहाँ  
बहुत शोषण होता है। और अपना  
सारा चीज चोपट हो जाती है।



SHANKAR DEOGAN



# Same Nature

